डॉलर के मज़बूत होने से भारतीय मुद्रा को अधिक जोखिम नहीं : मूडीज

चर्चा में क्यों?

मूडीज इन्वेस्टर सर्विस द्वारा ज़ारी एक नवीनतम रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत उन पाँच देशों में शामिल है जो डॉलर के मज़बूत होने से सबसे कम जोखिम की स्थिति में हैं। मूडीज़ का यह फैसला ऐसे समय में आया है जब अमेरिकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपए में लगातार गिरावट जारी है।

क्या कहती है मूडीज रिपोर्ट?

- इस रिपोर्ट के अनुसार, डॉलर के मज़बूत होने से अन्य मुद्राओं पर दबाव बढ़ रहा है, लेकिन भारत सबसे कम जोखिम वाले देशों में है।
- अमेरिकी डॉलर के अन्य मुद्राओं की तुलना में मज़बूत होने के प्रभावों पर ज़ारी अपनी रिपोर्ट में मूडीज ने कहा कि डॉलर की मज़बूती से कई उभरते बाज़ारों के विदेशी मुद्रा भंडार में उल्लेखनीय कमी आई है।
- भारत के अलावा चीन, ब्राज़ील, मेक्सिको और रूस इस सूची में शामिल हैं।
- मूडीज के अनुसार, वित्तीय क्षेत्र में बड़ी बचत के ज़रिये ये अर्थव्यवस्थाएँ घरेलू स्तर पर अपना वित्तपोषण करने में सक्षम हैं।
- हालाँकि, कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि के कारण भारत के चालू खाता घाटे (CAD) में वृद्धि हुई है लेकिन यह सकल घरेलू उत्पाद (GDP) की तुलना में बहुत अधिक नहीं है। इसकी पूर्ति प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आदि के माध्यम से की जा सकती है।
- विशेषज्ञों का मानना है कि कच्चे तेल की कीमतों में हाल में हुई वृद्धि से डॉलर की माँग बनी हुई है।

रुपए के मूल्य में गिरावट का कारण

- अमेरिका ने चीन सहित सभी सहयोगी देशों से ईरान से कच्चे तेल के आयात पर चार नवंबर तक प्रतिबंध लगाने को कहा था। इस घोषणा के कारण वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया और डॉलर के मूल्य में भी वृद्धि हुई है।
- अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड वॉर की बढ़ती आशंका के चलते भारतीय रुपए पर दबाव बन रहा है।
- उपर्युक्त कारणों के अलावा हर महीने के आखिर में ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (HPCL, IOC, BPCL) द्वारा डॉलर की माँग में वृद्धि की जाती है।

वर्ष 2018 में डॉलर की तुलना में रुपए के मूल्य में गिरावट

- पिछले वर्ष डॉलर की तुलना में रुपए में 5.96 प्रतिशत की मज़बूती देखी गई थी लेकिन 2018 की शुरुआत से ही रुपए के मूल्य में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है।
- इस साल डॉलर की तुलना में रुपए के मूल्य में लगभग 8 प्रतिशत की कमी आई है।
- इससे पहले रुपया 24 नवंबर, 2016 को यह प्रति डॉलर 68.68 के ऐतिहासिक निचले स्तर पर पहुँच गया था और 28 अगस्त, 2013 को यह 68.80 के न्यूनतम स्तर पर पहुँचा था।
- हाल ही में (28 जून, 2018) को यह 69.10 रुपए प्रति डॉलर के सबसे निचले स्तर पर पहुँच गया। यह रुपए के मूल्य में अब तक की सबसे अधिक गिरावट है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-least-vulnerable-to-stronger-us-dollar